# तुबारि

www.pangi.in
पंगवाड़ी, अंग्रेजी, त हिन्दी भाषा अन्तर

Issue - 102
March, 2021


कुछ मेहने बाद, फि इस मेहने तुबारि संस्करण तुसी हरालण जे अस तीं खुश असे। छने पढुण जे एन्हि कथाई त कविताई पुठ चिकिण दिए। वापिस इस पन्ने पुठ एण जे पन्ने पड्डे दुतो विषय सूची पुठ चिकिण दिए। तुं सुझाव त लेख के अस भाड़ते रेहन्ते। धन्यवाद

## विषय सूची


| | | |
|---|---|---|
| 1. | अकलदार सधुबाबा | 2 |
| 2. | मठडी ईं जिन्दगी | 4 |
| 3. | करम पुजा भो | 5 |
| 4. | संस्कार | 7 |
| 5. | प्रार्थना | 8 |
| 6 | दरियोए घमण्ड | 10 |

# अकलदार सधुबाबा

यक लिंगि बोक भुओ। यक सधुबाबा जंगले बइ घेण लगो थिआ। सधुबाबे हेरु कि यक कीड़ा त यक नेऊ अपफ बुछ झगड़ीं लगो असे। कीड़ा लहु लछार भोई गो थिआ। सधुबाबे कीड़े पुठ दाह एई गई। सधुबाबा किछ सोचते सोचते तेन्के भेएड़ जे गा त तिखेईं नेऊ सधुबाबा काई छड़ा त कीड़ा छड़ दता त नशी गऊ। कीड़ा सुआ लहेरिए थिआ। से समाणि खड़ खड़ बिशो सधुबाबे डसण जे गा। तिखेईं सधुबाबे दौड़ कइ अपु जान बचाई छड़ी।

केहि रोज बाद फि सधुबाबा तेसे जंगले बइ घेण लगो थिआ। तेस सुआ टश लगो थी। से जंगल अन्तर यक खुहए भेएड़ पुजा। तेन हेरु कि ढडुड़ के पहवाल खुहए अन्तर घोड़े बइ केस घोड़िया लगो थिए। जपल भेएड़ घेई कइ तेन्हि हेरु कि सेईंए कीड़ा खुहए अन्तर झड़ो असा त से पहवालि घोड़ियाई घोड़ियाई लहु लछार कइ छओ थिआ। खुहए अन्तर लिशकटु भुण बझई जुओई कीड़ा बचारा खुहए अन्ता बाहरी बि निस न बटो थिआ।

कीड़े सधुबाबे जे बोलु, “तुं छने, मोउं बाहरी किढ़, ना त ई सोब मोउं मारि छते, ना त अउं पुओणि अन्तर डूब कइ मरी घेन्ता।

विषय सूची

सधुबाबे कीड़े पुठ दाह एई गई। सधुबाबे दौड़ जोई अपु हथे लोठु बन्हु त खुहए अन्तर छऊ। कीड़ा झठ तेस लोठ बठ कुलोशी गा। सधुबाबे जिहांणि से बाहरि कढ़ा, कीड़े बोलु, “सधुबाबा, मोउं यक सपेरा टाण लगो थिआ त अउं दौड़ता दौड़ता इस खुहए अन्तर झड़ी गा। जेन्हि अउं लहु लछार किया से बि इन्सान थिए। तोउं त अब में दुश्माणि सोबी इन्सानी जुओई असी। त तु बि यक इन्सान भुओ, तोउं त अब अउं तोउ बि डसता। अतु बोते त कीड़े सधुबबे खुर जोई लपेटी गा। इस केआं पेहले कि से डसता, सधुबाबे जोरी जोई अपु खुर ठटकी छड़ा त कीड़ा दुबारी खुहए अन्तर झड़ी गा।

कीड़ा फि दुबारी बाहरी कढ़ण जे छनेअरे करण लगा, त सधुबाबे बोलु, ‘तु दाह दईया करणे लेएक नेई। मेईं ते मदत कर कइ हेरि छऊ असु। अब तु चहे जी या मर। अउं त गा।” होता सधुबाबा थोड़ा दूर ईं पुजो थिआ त तसे मन से कीड़े मदत करण जे रोकि छड़ा। सधुबाबा फि खुहए भेड़ गा त कीड़े जे बोलु, “ए कीड़िया, अउं खुहए अन्तर अपु देउड़ त लौठ ढिनयाई छता त तु एस जोई लपेटी देन्ता बाहरी एई गा। अउं अपफ तोउ बाहरी ना किढ़ता। जपल तकर तु बाहरी निसता, अउं सुआ दूर घेई घेन्ता।” मरता की ना कता? कीड़ा मठे मठे देउड़े सहारे बाहरी नसण लगा। सधुबाबे यक बुटे पुठ चढ़ी गा। से नियोक कइ सोब हेरण लगो थिआ। तोउं कीड़ा बाहरी निस गा। से सुआ लेहरीए थिआ। तेन अपु फण खड़िएर कइ चोहरो कना हेरु। पहले अपु बचाब बठ बि ध्यान दिए।

विषय सूची

ईं लगतुथ कि जीं केस तोपुण लगो थिआ। पता जपल कीड़ा तठिआ घेई गा त तोउं सधुबाबा बुटे पुठा भीं एई गा त अपु लौठु साफ कर कइ पुओणि पीयु त घेई गा।

**शिक्षा:** दुष्टी के संग केईंआ दूर बिशे। तेन्के मदत करण बदले अपु बचाव बुठ बि ध्यान दिए।

## मठड़ी ईं जिन्दगी

मठड़ी ईं जिन्दगी असी, लगभग अशी साले। तेस अन्तर कोई चाढ़ी साल त रति अन्तर नशी घेन्ते। होर तसे आधी बीह साल मठड़ियार त बुढ़ापे अन्तर नशी घेन्ते। बाकी बीह साल से कपले योग, कपले वियोग, कपले पढ़ाई लिखाई त कपले नौखरी चाकरी त व्यापार होर मेह्णु चिन्ता अन्तर रेहन्ती। अब बचुए की? अगर अस धिक भई धन दौलती लिए झगड़ा भेड़ा कते, त फि बि अस सम्हाई किछ इठि छड़ दी छते त अतो कीमति मेह्णु जिन्दगी मेणे असी की लाभ भुआ? अपु अपफ शिचण दिए। अत किछ भुन्ते बि।

विषय सूची

# करम पूजा भो

हर यक मेह्णु जे से चाहता कदी मेई घेन्तु त कदी ना बि मेतु। स्कूले गभुर बि सुआ मेहनत कते, त मन चाहा फल बि मेई घेन्ता त ना बि मेता। ईं जिन्दगी केहि जगाई असी, जेठि जी अस चाहते, ती सुसुर फल ना मेता। अस कसे जे नमस्ते कते त तसे जवाब मेई गा त अब्बल लगतु, होर ना जवाब ना मेतु त परिशान बि भोई घेन्ते। जेठि तारिफे उम्मीद भुन्ति तेठि बेइज्जती बि भोई घेन्ति। जपल अस केसे मदत करणे लिए कम कते, तेठि बि केहि लिगिं दुख तखलीफ भोई घेन्ति। त से असी कदी कदी बेउम्मीद बि कइ छती, पर असी सोचुण चाहिए कि केहि बि चीज असी जे असी मेई घेन्ति। पर होरी ना मेती, जीं मेघे जपल हें बग फसली टेम भुन्ति त फसल खरी भुन्ति। पर केहि केहि जगाई सेईंए मेघ अत लगता कि पूरी कि पूरी फसल बरबाद कइ छता। बथ अस रोज हंठते। गाड़ी मोटरी पठ बि घेन्ते त अस अपु जगाई पठ बि पुज घेन्ते। पर केहि ईं बि भुन्ते जे तसे बथ त तसे गाड़ी मोटर अन्तर अपु जान बि गबाई बशते। होर केहि गभुर सुआ मेहनत कते, फि बि पढ़ाई तेन्हि खरा फल ना दी सकती। होर खरी किस्मत जे पढ़ण अन्तर कमजोर भुन्ते से पास भोई घेन्ते। होर केहि जेईं के पढ़ाई त नौकरी उम्मीद सुआ भुन्ति, पर तेन्हि केईंया घट उम्मीद बाड़ी नौकरी मेईं घेन्ति।

केहि लिंगि अस बमार भुन्ते, त ईलाज कराणे लिए हस्ताड़ दाखल भुन्ते त ठीक भोई कइ अपु गी कम लेएक भोई घेन्ते। पर केहि केहि तस हस्ताड़ तसे बिमारी ईलाजे लिए दाखल करान्ते, पर तेन्के से बिमारी ठीक ना भुन्ति त से अपु जान गवाई बशते।

विषय सूची

ईहांणि हर एक चीजि पुठ अस अपु अपफ सोच बिचार कइ सकते। अस सोब भगवान केआं अपु अपु कनारा अपु लिए सफलता, स्वास्थ्य, सौभाग्य, जीत, योग्यता, अकल, प्रतिभा, क्षमता, शक्ति, विवेक, त लम्मी उम्रे लिए प्रार्थना कते रेहन्ते। जेन्हि अ सोब मेई घेन्तु, तेस से अपु फल त जीट भनण लग घेन्ते। एईंए जी त फल हमेशा विवेक त अकल भ्रष्ट करण लगती। किस कि तेन्हि अन्तर एस जीते घमण्ड भुण लग घेन्ता। त घमण्ड हमेशा बरबादी बझह बणता।

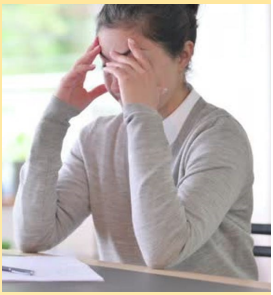

होर जे जीतते नऊ, तेन्हि ई कदी न सोचण चाहिए कि हें अन्तर तागत नेईं या अस केसे काबिल नेई। किस कि हें हक सिर्फ कर्म पुठ भुन्ता, फल पुठ ना। पर फि बि हालात भोल असी कदी रुकण न चहिए, अपु कर्म अपु धर्म मानी कइ कते रिहे। अपु कर्म ईमानदारी, समझदारी त पूरी शक्ति जुओई करणे ईं हें फर्ज या हक भो। कर्म कते कते मतलब “कमे ईं पुजा भो” मानी कइ करे। असी अपु कर्म अपु आदर्श, लक्ष्य मानी कइ करण त जे बि फल मेईयाल, तेस अन्तर खुश भुण त भगवाने धन्यवाद त अशुश जोई अपु जिन्दगी जीण चहिए।

विषय सूची

# संस्कार

यक ग्रांए पाणि केईं टाई जिल्हाणु पुओणि भरण लगो थी। तिखेईं यक जिल्हाणु कुआ तेन बइ आ। तोउं तसे ई बोलुण लगी, “उओ हेरे, में कुआ! इंग्लीश मिडियम स्कूल अन्तर पढ़ण लगो असा।” धिक चेरे ईं होर जिल्हाणु कुआ बि आ। तसे ईए बोउ, “उओ हेरे, में कुआ! से बि एसे ईं स्कूल अन्तर पढ़ण लगो असा। तिखेईं तेन्के जिल्हाणु कुआ तेन बइ गा, होरी जिल्हाणु के कोईए ई तेन बि अपु ईए धे हेरु त अपु ईए भेएड़ आ। पाणि भरो गागर तेन अपु मौड़ पुठ रखी त होर हथे बइ पाणि भोर बाल्टी टाती त अपु ईया जे बोलु, “हंठ ईया, गी जे हंठ!” तोउं तसे ईए बोलु, “ई में कुआ भो। ए सरकारी स्कूल पढ़ता।” तेस चेहरे खुशी हेर कइ होरी दुहे तेन्हि जिल्हाणु के म्युकुड़ उन्नि लगी गोउ।

एस कथाई मतलब सिर्फ एतुरु असा कि लाखों रुपेई खर्चा कर कइ बेशक तुस शिक्षा खरीद सकते, पर संस्कार ना खरीद बठते।

संस्कार अपफ शिचालण एन्ती।

विषय सूची

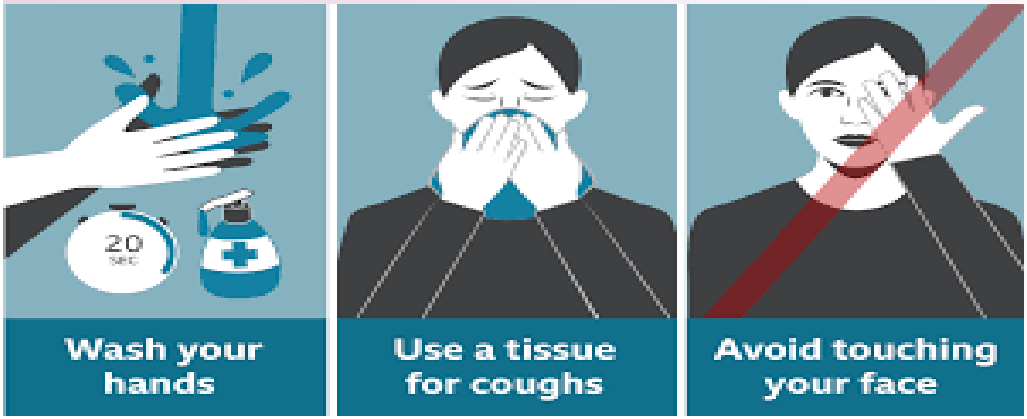

# प्रार्थना

हे परमेश्वरा, अउं तोउए जे हक देन्ता,

हे में भगवाना, में अरदास अणदेखा ना कर,

ईं ना  लौता  भुओ  कि तें अडोल बिशणे बेलि,

अउं तेन्हि केईं पीठ पुजाल जे दरघाई अन्तर घेई घेन्ते।

जपल अउं तोउ जे दुहाई दियुं, त तें शुचे देहरे कना

जे अपु हथ खड़ेरुण, तिखेईं में गड़गड़ाणे बोके शुणी दे।

तेन्हि दुष्टी त बुराई करणे बाड़ी जोई साते मोउं ना ढीण,

जे अपु भेयाड़ जुओई टचारे टचारे बोके त कते, पर मन अन्तर कपट रखते।

तेन्के कमि त तेन्के करणी बुराई मुताविक तेन्हि जोई बतार्व कर,

तेन्के हथे कमि के हेसाब जोई तेन्के धे बदला दे।

से परमेश्वरे कमि पुठ त तसे हथे कमि पुठ ध्यान ना देन्ते,

तोउं त से तेन्हि दूर फटांता त फि ना खड़ेरता।

प्रभु परमेश्वर धन्य असा, किस कि तेन में  शिकोण शुणो असी।

परमेश्वर में तागत त में  साहारा भो।

तेस पुठ भरोसा रखणे बेलि में मन मदत मेई।

तोउं त में मन खुश असा, त अउं घीत लाई लाई कइ तसे धन्यवाद कता।

परमेश्वर अपु भक्ते तागत भो, से अपु चुणो मेह्णु बचाणे लिए पक्का गढ़  भो।

हे परमेश्वरा, अपु भक्त बचाण दिए, त तेन्के ख्याल रख।

विषय सूची

# *तुबारि मासिक पत्रिका*

- तुबारि मासिक पत्रिका ई उम्मीद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेह्णु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।
- इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।
- तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।
- तुबारि पत्रिका कोई मेह्णु, जनजाति त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।
- छपाणे पेहले सोब आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेह्णु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहली बार पांगवाड़ी लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।
- आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेह्णु के साथोट ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।
- कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।
- अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।
- अस सोबी पांगी मेह्णु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर लिख कइ छपां जे हेंघे दिए।

**तुबारि संपादकीय टीम**

***9418429574***
***9418329200***
***9418411199***
***9418904168***
***9459828290***

## चुटकले

• एक गभुरु बोलु : गुरुजी अमेरिका दूर असु। माष्टर जी: से की? गभुर: गुरुजी जोसण त अस इठिया बि हेर सकते, पर अमेरिका ना केतु।

• मालिक नौखर जे: रामुआ! अउं दरियो अन्तर तइण लगा। रामु बोलु: मालिखा! अभेईं ना ताईए। तुसी होता में टाई मेहने रुपेई देण असे।

विषय सूची

# दरियोए घमण्ड

बोक द्वापर जुगे भो। यक रोज श्री कृष्णा भगवान कसे दरियोए ओत बइ घेण लगो थिआ, कि तपल यक अवाज आई, “भगवान! तुस यमुना दरियो अन्तर खेलते त कि तुस मेन्धे अपु खुर धूणे मौका ना देन्ते ना?” श्रीकृष्णा भगवान सोबी जुओई बराबर परेम कतेथ। तेस दरियों बोक शुण कइ बोलु, “तु ईं किस सोचती? अउं जरूर ते ठन्हु पोण अन्तर सन्हुण कता। बोल त रोज सन्हुण कता। अउं त रोज इनिम्बाइ घेन्ता।” ईं शुण कइ दरियो सुआ खुश भोई गा। तसे छल्हारे उछाड़ण लगे। भगवान श्रीकृष्णा रोज तेस दरियो अन्तर सन्हुण करण लगा। तेस दरियोए भेएड़ आमे बुटा पुठ मोर मोरणी यक जोड़ा बशताथ। दरियो तेन्के अब्बल मतर बण गो थिआ। मोर तसे ओत एई कइ नचताथ। तोउं मोर त मोरणी ठन्हु पुओणि पी कइ अपु टश मुकान्तेथ।

यक रोज मोर त मोरणी पुओणी पी लगे त दरियोए बोलु, “ठहरे! में पोण जुठु ना करे। अब मोउं अन्तर भगवान सन्हुण कता। अगर तुस पुओणि पीयल त कि भगवान जूठे पुओणि अन्तर सन्हुण कता ना? पेहले त मोर दरियो बोक हसाड़ लगा, पर जपल तेस पता चला कि दरियो सच्चे बोलुण लगो असा त तेन सोचु कि भगवान सन्हुण कराणे बेलि दरिया अत घमण्ड भोई गा ना कि असी जे ना करण लगो असी। पुओणि बि पीण नेई देण लगो।

विषय सूची

मोर सुआ दुख भुआ। से श्रीकृष्ण भगवान केईं पुजा। तेन सोब बोक बताई छेई। श्रीकृष्ण भगवाने मोर जे बोलु, "तु दुखी ना भो। दरियो घमण्ड भोई गा, तसे फल तेस जरूर मेता। अउं तोउ जुओई बि ततरा प्यार कता। तु त सुआ अब्बल असा।" मोर खुश भोई कइ अपु जगाई जे पेठि आ। होर श्रीकृष्ण भगवान दरियो ओत आ। तिएस तेन दरियो अन्तर सन्हुण न कियु। दरियोए बोलु, "भगवान! लगतु कि आज तुस मोउं हेर खुश नेई।" श्रीकृष्ण भगवाने हसी कइ बोलु, "हे चंचल उपोकारी दरियोआ!, अउं तिखेईं सन्हुण कता, जपल तु में मुकुट पुठ लाण जे अब्बल मोरे पंख आण कइ दियेल। ई शुण कइ दरियो परिशान भोई गा। अब केस मुँह बइ मोर केईंआ पंख मगण? पर कोई चारा ना थिआ। तेन अपु घमण्ड छड़ कइ मोर भिआ त बोलु, "मोर भौउआ, मोउं माफ कर। मेईं तें दिल दुखा।" मोरे बोलु, "बोल, की बोक असी? तु में मतर भो, अउं तें मदत जरूर कता। दरियोए सोब बोक बताई छई। मोरे झठ अपु पंख टोड़ी कइ दी छड़ा।

श्रीकृष्ण भगवाने खुश भोई कइ दरियोए हथे मोरे पंख टाता त अपु मुकुट जोई ला। मोर जे वरदान मागण जे बोलु। मोरे बोलु, "भगवान! तुसी में पंख अपु मुकुठ जोई लाइ कइ मोउं जे इज्जत दुतो असी। एईंए सोबी केईंआ बोडा वरदान भुओ। अब तुस इस दरियो अन्तर सन्हुण करे। श्रीकृष्ण भगवाने बोलु, "पेहले तुस पुओणि पिए, तोउं अउं सन्हुण कता।" दरियोए जत बि घमण्ड थिआ, से बि सोब खत्म भोई गा।

विषय सूची